भोले नाथ ने मनावण जी थे तो राखो नी छतर वाली छाया

भोले नाथ ने मनावण जी,
थे तो राखो नी छतर वाली छाया ओ,
भोलें नाथ ने मनावण जी।bd।

भोले शिवरात्रि मन भावे जी,
सब मिल जुल भोग लगावा जी,
शंकर देव ने मनावण जी,
भोलें नाथ ने मनावण जी।bd।

देवा शीश पर गंगा खलके जी,
थारे मूकट चन्द्रमा चमके जी,
शंकर देव ने मनावण जी,
भोलें नाथ ने मनावण जी।bd।

थारे गले मे नाग विराजे जी,
थारे अंग भभुती सोवे ओ,
शंकर देव ने मनावण जी,
भोलें नाथ ने मनावण जी।bd।

हाथ मे त्रिशूल सोवे जी,
थारे डम-डम डमरू बाजे जी
शंकर देव ने मनावण जी,
भोलें नाथ ने मनावण जी।bd।

भोला बाड़मेर मे धाम बणीयो जी,
देवा सूजेश्वर धाम जोर बणीयो जी,
थाने सुरेश नित उठ ध्यावे जी,
शंकर देव ने मनावण जी,
भोलें नाथ ने मनावण जी।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

भोले नाथ ने मनावण जी,
थे तो राखो नी छतर वाली छाया ओ,
भोलें नाथ ने मनावण जी।bd।

प्रेषक – रवींद्र राजपुरोहित।
गायक – सुरेश जांगिड़ बाड़मेर।
मो 7073648651

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com